Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

National Webinar on Sustainable Developments Water and Electricity Conservation

Newspaper: Amar Ujala **Date: 30-03-2022**

'प्राकृतिक संसाधनों को सहेजने की जरूरत'

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में मंगलवार को सतत विकास, जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रमोशन ऑफ सस्टेनेबल मैटीरियल सेल द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवॉर्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सकें।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने करवाया। रमेश गोयल ने कहा कि हमें पानी के एक-एक बूंद का महत्व समझना होगा। उन्होंने कहा कि हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचय की सुविधा अवश्य उपलब्ध करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। उन्होंने अपनी प्रतिष्ठित पुस्तक जल चालीसा पानी बिन सब सून और जल मनका के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया जल संरक्षण को उन्होंने अपने जीवन का मिशन बना लिया है। उन्होंने बताया कि वे किस तरह से समाज के विभिन्न वर्गों के साथ मिलकर उन्हें पानी बचाने के लिए प्रेरित करते हैं। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी।

विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें री साइकिल और रि यूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। सतत विकास के लिए सेल द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य आलेख एस नायक ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र ने किया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 30-03-2022**

पानी की बूंद-बूंद का महत्व समझना होगा : गोयल

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'सतत विकास, जल और बिजली संरक्षण' विषय पर हुआ वेबिनार

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ में मंगलवार को सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि हमें पानी की एक-एक बूंद का महत्त्व समझना होगा। उन्होंने कहा कि हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचयन की सुविधा अवश्य उपलब्ध करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। उन्होंने बताया कि वे किस तरह से समाज के विभिन्न वर्गों से मिलकर उन्हें जल बचाने के लिए प्रेरित करते हैं। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें रिसाइकिल और रियूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि सतत विकास हेतु सेल द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य आलेख एस नायक ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र ने किया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 30-03-2022**

हकेंवि में सतत विकास जल और बिजली संरक्षण पर वेबिनार आयोजित की गई

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में मंगलवार को सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विवि के प्रमोशन आफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डा. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि हमें पानी की एक-एक बूंद का महत्व समझना होगा। उन्होंने कहा कि हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचयन की सुविधा अवश्य उपलब्ध करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। इस अवसर उन्होंने अपनी प्रतिष्ठित पुस्तक जल चालीसा पानी बिन सब सून और जल मनका के बारे में भी चर्चा की। मुख्य वक्ता ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया जल संरक्षण को उन्होंने अपने जीवन का मिशन बना लिया है। उन्होंने बताया कि वे किस तरह से समाज के विभिन्न वर्गों से मिलकर उन्हें जल बचाने के लिए प्रेरित करते हैं। विवि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विवि द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। विवि के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि सतत विकास के लिए सेल द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

हकेंवि में आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार को संबोधित करते मुख्य वक्ता रमेश गोयल • सा संस्था

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 30-03-2022**

- हकेंवि में सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर वेबिनार का आयोजन

सभी को पानी की बूंद-बूंद का महत्व समझना होगाः गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें रिसायकल और रियूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य आलेख एस नायक ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र ने किया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया।

महेंद्रगढ़। हकेंवि में आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार को संबोधित करते मुख्य वक्ता रमेश गोयल। फोटो : हरिभूमि

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 30-03-2022**

वर्षा जल संचयन से भूजल संरक्षण होगा सहज: गोयल

ह.कें.वि. में सतत् विकास जल व बिजली संरक्षण पर वैबिनार आयोजित

महेंद्रगढ़, 28 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को सतत् विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वैबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मैटीरियल सैल द्वारा आयोजित इस वैबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके।

ह.कें.वि. में आयोजित राष्ट्रीय वैबिनार को संबोधित करते मुख्य वक्ता रमेश गोयल।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वैबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने दिया। मुख्य वक्ता ने कहा कि हमें पानी की एक-एक बूंद का महत्व समझना होगा। हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचयन की विशेष व्यवस्था करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। इस अवसर उन्होंने अपनी प्रतिष्ठित पुस्तक जल चालीसा 'पानी बिन सब सून' और 'जल मनका' के बारे में भी चर्चा की।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत् विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी।

विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मैटीरियल सैल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें रिसाइकिल और रियूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य आलेख एस. नायक ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र ने दिया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar **Date: 30-03-2022**

पानी की बूंद-बूंद का महत्त्व समझना होगा : रमेश गोयल

हकेवि में सतत विकास जल और बिजली संरक्षण पर वेबिनार आयोजित

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ में मंगलवार को सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। मुख्य

वक्ता ने कहा कि हमें पानी की एक-एक बूंद का महत्त्व समझना होगा। उन्होंने कहा कि हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचयन की सुविधा अवश्य उपलब्ध करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। इस अवसर उन्होंने अपनी प्रतिष्ठित पुस्तक जल चालीसा 'पानी बिन सब सून' और 'जल मनका' के बारे में भी चर्चा की। मुख्य वक्ता ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया जल संरक्षण को उन्होंने अपने जीवन का मिशन बना लिया है। उन्होंने बताया कि वे किस तरह से समाज के विभिन्न वर्गों से मिलकर उन्हें जल बचाने के लिए प्रेरित करते हैं। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें रिसायकल और रियूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि सतत विकास हेतु सेल द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।